अनुक्रमणिका

क्रमांक	विषय	जीवन मूल्य	पृष्ठ संख्या
1	मेरा नया बचपन (कविता)	बालसुलभ, निश्छलता, प्रेम	3
2	चिड़ियाँ (कहानी)	पक्षी प्रेम, संवेदनशीलता	9
	जीव-जंतुओं की भाषा प्रणाली		16
3	अपना-अपना दृष्टिकोण (उपनिषद कथा)	सदाचार, चारित्रिक उत्थान	17
4	कामचोर (कहानी)	आत्मनिर्भरता, कर्मनिष्ठा	24
5	हार की जीत (कहानी)	क्षमाशीलता, प्राणिजगत से स्नेह	30
6	सूरदास के पद (पदावली)	बालहठ, चंचलता	38
7	कर्तव्य पालन (नाटक)	कर्तव्यभाव, इमानदारी	43
8	भीकाजी कामा (जीवनी)	देशभक्ति, संगठन	50
9	बूढ़ी काकी (कहानी)	करुणा, कृतज्ञता	56
10	कर्मवीर (कविता)	सहनशीलता, आत्मविश्वास	64
	आदर्श प्रश्न-पत्र 1 (परीक्षण)		68
11	आकाश को सात सीढ़ियाँ (कहानी)	वैज्ञानिक प्रगति, लक्ष्य साधना	72
12	सच्चा मित्र (नाटक)	प्रकृति प्रेम, पर्यावरण रक्षा	81
13	समय प्रबंधन (लेख)	समय का महत्व व सदुपयोग	89
14	मीरा पदावली (कविता)	ईश्वर प्रेम, कृतज्ञता	95
15	एक अनोखा दिन (प्रेरक कथा)	आत्म-विश्वास, संवेदनशीलता	99
16	भिखारिन (कहानी)	दयालुता, मानवता, निश्छल प्रेम	106
17	विल्वर राइट और ओरविल राइट (वैज्ञानिक जीवनी)	अविष्कारकवृत्ति, संघर्ष	115
18	सद्‌भाव (कविता)	सदाचार, नारी सम्मान का भाव	121
19	राह अनेक : मंजिल एक (नाटक)	ध्येयनिष्ठा, देशसेवा	126
20	लालू (उद्‌बोधन कथा)	अंधविश्वास-निराकरण, विवेकशीलता	134
	आदर्श प्रश्न-पत्र 2 (परीक्षण)		141

पाठ-1

मेरा नया बचपन

कविता

आपको अपना बचपन कैसा लगता है? क्या आपको बचपन के वे दिन याद हैं, जब आप तुतलाकर बोलते थे। रोकर, मचलकर अपनी बातें मनवा लेते थे। बड़े हो जाने पर बचपन की ये मधुर स्मृतियाँ सदैव याद आती हैं और फिर से बचपन के वे दिन जीने की इच्छा होती है। कवयित्री को अपनी बिटिया के बचपन व शरारतों में अपना ही बचपन एक बार फिर दिखाई देने लगा है- यह कविता पढ़िए और आप भी अपने बचपन की स्मृतियों का आनंद लीजिए।

बार-बार आती है मुझको,
मधुर याद बचपन तेरी;
गया, ले गया तू जीवन की,
सबसे मस्त खुशी मेरी।

चिंता रहित खेलना खाना,
वह फिरना निर्भय स्वच्छंद;
कैसे भूला जा सकता है,
बचपन का अतुलित आनंद।

रोना और मचल जाना भी,
क्या आनंद दिखाते थे;
बड़े-बड़े मोती-से आँसू,
जयमाला पहनाते थे।

मैं रोई, माँ काम छोड़कर,
आई, मुझको उठा लिया;
झाड़-पोंछकर चूम-चूम,
गीले गालों को सुखा दिया।

आ जा बचपन! एक बार फिर,
दे दे अपनी निर्मल शांति;
व्याकुल व्यथा मिटाने वाली,
वह अपनी प्राकृत विश्रांति।

शिक्षण-संकेतः कविता का उचित भाव व लय के साथ सस्वर वाचन करवाएँ। कविता-पाठ के मध्य भाषा व भाव संबंधी प्रश्न पूछकर कविता का रसास्वादन समाप्त न करें। छात्रों से उनके बचपन की स्मृतियों पर बात करें।

शब्दार्थ

आतंक	–	भय, डर	मुनासिब	–	उचित, ठीक
तिरस्कार	–	अपमान	वध	–	हत्या
क्षुब्ध	–	दुखी	प्रमाण	–	सबूत, गवाह

अभ्यास कार्य

(संकलनात्मक कार्य)

मौखिक

बताइए।

(क) राजा को अपना सारा अभिमान झूठा क्यों प्रतीत हो रहा था?

(ख) राजा को किस प्रकार के प्रश्नों के उत्तर देने का अभ्यास नहीं था और क्यों?

(ग) पुंडरीक की चारित्रिक विशेषताएँ बताइए।

लिखित

दिए गए प्रश्नों के उचित उत्तर लिखिए।

(क) वनरक्षक किन व्यक्तियों को उस राह से नहीं जाने देता था?

(ख) वनरक्षक ने दरबारियों की किस विशेषता का वर्णन किया है?

(ग) वनरक्षक ने राजा की किस विशेषता से उसे दरबारी मान लिया?

(घ) राजा की वास्तविकता जानने के उपरांत वनरक्षक ने क्या किया?

(ङ) राजा ने तलवार क्यों निकाली थी?

उचित विकल्प पर सही का चिह्न (✓) लगाइए।

(क) राजा के वनरक्षक का नाम क्या था?

☐ पांडुरंग ☐ पुंडरीक ☐ अमरीक

(ख) राजा ने वनरक्षक के लिए पुरस्कार की सालाना कितनी राशि तय की थी?

☐ एक हज़ार रुपये ☐ पाँच हज़ार रुपये ☐ दस हज़ार रुपये

(ग) रात्रि में झोंपडी में रहने की अनुमति माँगते हुए राजा ने वनरक्षक को इनाम के तौर पर क्या दिया था?

☐ एक रुपया ☐ दस रुपये ☐ सौ रुपये

मूल्यपरक प्रश्न

(क) किन बातों से राजा ने अनुभव किया कि वह केवल राजा ही नहीं, मनुष्य भी है?

(ख) वनरक्षक ने राजा के साथ कठोरता का व्यवहार किया तथा उसकी बातों पर विश्वास भी नहीं किया, तथापि राजा ने उसे पुरस्कार क्यों दिया?